सुविचार

शिक्षा हमें वह पंख देती है,
जो हमें ऊँचाइयों तक उड़ने
की क्षमता देता है।

तरंग

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भेल भोपाल का
मासिक ई - न्यूजलेटर

tarangnews2024@gmail.com | माह- फरवरी 2026 | अंक - 32 वां

इस अंक के आकर्षण:

- शिक्षक- अभिभावक बैठक
- राष्ट्रीय सेवा योजना की संयुक्त इकाई द्वारा 'स्वस्थ युवा, स्वस्थ भारत एवं नशा मुक्त समाज' हेतु निकाली गई जन जागरूकता रैली
- विश्व हिंदी दिवस पर आयोजित विचार गोष्ठी एवं काव्यपाठ
- राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित सूर्य नमस्कार कार्यक्रम
- निःशुल्क योग प्रशिक्षण
- एक दिवसीय Mental Health Training cum workshop
- भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ एवं भारतीय शिक्षण मंडल के संयुक्त तत्वावधान में वसंत पंचमी एवं नेताजी सुभाषचंद्र बोस जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम
- 'बजट पर चर्चा' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन
- स्टॉफ क्लब द्वारा किया गया बसंत पंचमी का आयोजन
- हिंदी विभाग और स्वरचित साहित्य मंच के संयुक्त तत्वावधान में निराला जयंती का आयोजन
- गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन

शिक्षक- अभिभावक बैठक में महाविद्यालय के वातावरण, अध्यापन एवं अन्य सुविधाओं पर हुई विस्तृत चर्चा

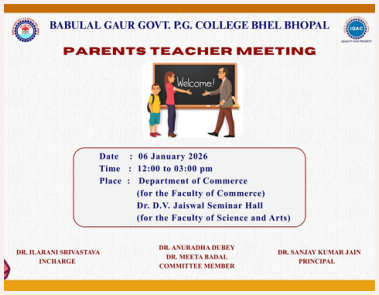

06/01/2026 महाविद्यालय में शिक्षक-अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें कला, वाणिज्य एवं विज्ञान के प्राध्यापको को कक्षाएँ आवंटित की गई। बैठक की सूचना विद्यार्थियों को पूर्व में ही दी गई थी। अतः सभी कक्षाओं के विद्यार्थी एवं अभिभावक उपस्थित हुए। प्राध्यापकों के द्वारा छात्र, छात्राओं से उनकी समस्याएँ सुनी गई एवं उनका समुचित समाधान भी किया गया। छात्र-छात्राओं ने महाविद्यालय के शैक्षणिक, कल्चरल एवं क्रीड़ा गतिविधियों पर सकारात्मक विचार व्यक्त किये। अभिभावकों द्वारा भी महाविद्यालय के वातावरण, अध्यापन एवं अन्य सुविधाओं पर प्रसन्नता व्यक्त की गई। प्राचार्य महोदय डॉ. संजय जैन के निर्देश अनुसार एवं उनके मार्गदर्शन में बैठक आयोजित की गई एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुई। शिक्षक-अभिभावक समिति प्रभारी डॉ. इलारानी श्रीवास्तव द्वारा प्राचार्य महोदय एवं समस्त कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के प्राध्यापकों, अशैक्षणिक स्टॉफ का सहयोग प्रदान किए जाने पर आभार व्यक्त किया गया। शिक्षक-अभिभावक समिति सदस्य डॉ. अनुराधा दुबे एवं डॉ. मीता बादल द्वारा बैठक संपन्न कराने में विशेष योगदान दिया गया ।

इंटर्नशिप और फील्डवर्क प्रोजेक्ट विद्यार्थियों के लिए रोजगार प्राप्ति का सशक्त माध्यम - डॉ. वी.एस. सिंह

07/01/2025 बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भेल, भोपाल में पद्मा श्रीवास्तव ट्रेनिंग एंड रिसर्च सेंटर, कोलार भोपाल के तत्वावधान में इस वर्ष विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र–छात्राओं के लिए सहभागिता प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा विभाग के सेवानिवृत्त अतिरिक्त संचालक डॉ. वी.एस. सिंह, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने विद्यार्थियों को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर नूतन कॉलेज, श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज, एमवीएम कॉलेज तथा हमीदिया कॉलेज के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. वी.एस. सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में इंटर्नशिप और फील्डवर्क प्रोजेक्ट विद्यार्थियों के लिए रोजगार प्राप्ति का सशक्त माध्यम बनते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कक्षा में प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान के साथ यदि विद्यार्थी व्यवहारिक अनुभव भी अर्जित करते हैं तो वे रोजगार के लिए अधिक सक्षम बनते हैं। फील्डवर्क और इंटर्नशिप से विषय की वास्तविक समझ विकसित होती है, जिससे छात्र आत्मविश्वास के साथ कार्यक्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता, डॉ. पद्मा श्रीवास्तव ने अपने ट्रेनिंग एंड रिसर्च सेंटर के माध्यम से यह सिद्ध कर दिया है कि शिक्षण और शोध कार्य सतत प्रक्रिया है, जो समाज और विद्यार्थियों के हित में निरंतर चलती रहनी चाहिए।

कार्यक्रम में आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव एवं प्राणीशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. चारूलता राठौड़ विशेष रूप से उपस्थित रहीं। जनभागीदारी समिति के सदस्य श्री तेजसिंह ठाकुर ने भेल महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं को पद्मा श्रीवास्तव ट्रेनिंग एंड रिसर्च सेंटर से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा कहा कि ऐसे संस्थान विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी कौशल प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को अत्यंत उपयोगी बताते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की निरंतरता की अपेक्षा व्यक्त की।

राष्ट्रीय सेवा योजना की संयुक्त इकाई द्वारा 'स्वस्थ युवा, स्वस्थ भारत एवं नशा मुक्त समाज' हेतु निकाली गई जन जागरूकता रैली

09/01/2026 महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की संयुक्त इकाई द्वारा स्वामी विवेकानंद जी की जयंती युवा दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालय में 'सेवा सप्ताह' मनाए जाने के अंतर्गत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन के मार्गदर्शन, जनभागीदारी अध्यक्ष श्री बारेलाल अहिरवार जी की गरिमामय उपस्थिति में एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गीता चौहान के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विषय- स्वस्थ युवा, स्वस्थ भारत एवं नशा मुक्त समाज पर जन जागरूकता रैली नारे लगाते हुए, महाविद्यालय से गांधी चौराहा तक निकाली गई । दलनायक सोनम गुर्जर, सहायक दलनायक जतिन जोशी, वरिष्ठ स्वयंसेवक रोशनी रजक, साक्षी सिंह महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

भाषा संस्कृति का रथ है- डॉ.सुधीर कुमार शर्मा

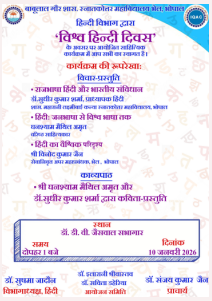

10/01/2026 भाषा संस्कृति का रथ है- डॉ.सुधीर कुमार शर्मा यह बात विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर बाबूलाल गौर शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल, भोपाल में हिंदी प्राध्यापक डॉ.सुधीर कुमार शर्मा ने कही। इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि हिंदी पर बात करना मां के बारे में बात करने जैसा है। राजभाषा हिंदी और भारतीय संविधान के महत्त्वपूर्णपक्ष पर आपने चर्चा की। डॉ.शर्मा ने कहा कि संस्कृति का रथ भाषा है। अगर वह कमजोर हुई तो संस्कृति की गाड़ी के पहिये भी कमजोर पड़ जाते हैं। भाषा बदलती है तो भोजन बदलता है, औषधियाँ बदलती हैं, हमारी जीवन-शैली बदलती है। जब भाषा कमजोर होती है तो समाज में बहुत-सी विसंगतियाँ पैदा हो जाती हैं। अभी संस्कृति का क्षरण हो रहा है और जब संस्कृति नष्ट हो जाती है तो राष्ट्र का अस्तित्व भी संकट में पड़ जाता है। संस्कृति का आधार भाषा है। आवश्यकता के अनुरूप भाषाएँ दूसरे शब्दों को ग्रहण करती हैं क्योंकि भाषाएँ उदार होती हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त अपर महाप्रबंधक डॉ. विनोद कुमार जैन ने हिन्दी की वर्तमान स्थिति पर अपने विचार रखते हुए कहा कि हमें मातृभाषा हिन्दी पर चिंता और चिंतन करना अति आवश्यक है। चिंता इस बात की है कि हिन्दी भाषा आज फिसलन पर है और अन्य भाषाओं की ओर फिसलती जा रही है। और चिंतन इस पर कि जिस मातृभाषा हिन्दी को हमने बचपन से सीखा है, तिलक के रूप में पहचाना है, स्नेह एवं संवाद के रूप में अपनाया है, उस हिन्दी भाषा का विश्व में क्या स्थान है।
भाषा समृद्ध होती है, सशक्त होती है, उसके अनेक गुण होते हैं।

विद्यार्थियों से अपनी हिन्दी भाषा में हस्ताक्षर करने का प्रण लेने को वरिष्ठ साहित्यकार श्री घनश्याम मैथिल 'अमृत' द्वारा कहा गया। उन्होंने बताया कि हमारी भाषा कैसे धीरे-धीरे सिमटती जा रही है और हमें इसे बचाने की आवश्यकता है। भाषा हमारी पहचान है, हमारा गौरव है, हमारा स्वाभिमान है। हमें इसे अपमानित होने से बचाना है।

कार्यक्रम के युवा अतिथि श्री चैतन्य जैन जो ऑस्ट्रेलिया से आए थे, उन्होंने हिन्दी एवं भारत से अपने जुड़ाव पर प्रकाश डालते हुए कई रोचक अनुभव साझा किए और बताया कि विदेशों में रहते हुए भी हिन्दी भाषा हमें, हमारी जड़ों से जोड़े रखती है।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. संजय कुमार जैन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप इसे साधारण एवं सामान्य भाषा समझते हैं, परन्तु यह एक असाधारण भाषा है। आपको अपने जीवन में इसकी सार्थकता को समझना चाहिए।

कार्यक्रम की संयोजक हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ.सुषमा जादौन ने सभी को विश्व हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दीं।अतिथित्रयी डॉ.सुधीरकुमार शर्मा , श्री विनोद कुमार जैन,श्री घनश्याम मैथिल अमृत द्वारा कविता पाठ भी किया गया। स्नातक में महाविद्यालय की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाली दो छात्राओं - श्रीया विश्वकर्मा , खुशी द्विवेदी द्वारा ' मैं हिन्दी हूं'लघु नाटिका का मंचन किया गया। विश्व हिंदी दिवस पर आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम का सफल और प्रभावी संचालन अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. इला श्रीवास्तव एवं साहित्यकार श्री घनश्याम मैथिल 'अमृत' द्वारा किया गया। कार्यक्रम में कविता, साहित्य और भाषा की त्रिवेणी बही।भावपूर्ण आभार प्रदर्शन बी.ए. तृतीय वर्ष के छात्र मनन दीक्षित द्वारा किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय का समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान भोपाल में आयोजित 'राष्ट्रीय संगोष्ठी' में सहभागिता

10- 11/01/2026 'भारतीय भाषा परिवार' विषय पर उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान भोपाल में दिनांक- 10 एवं 11 जनवरी 2026 को आयोजित 'राष्ट्रीय संगोष्ठी' में महाविद्यालय से विद्यार्थी नमन नांड्या, खुशहाली सरयाम, डिम्पल राजपूत, मनोज सिंह, नंदिनी चौटेले, रीना पाटिल और महाविद्यालय की श्रीमती शालिनी तिवारी, सहायक प्राध्यापक, अंग्रेजी एवं डॉ. सविता डेहरिया, सहायक प्राध्यापक हिन्दी ने सहभागिता की । बहुभाषा वाद मातृभाषा में भारतीय भाषाओं के बीच सेतु की भूमिका, AI द्वारा भारतीय भाषाओं के शिक्षण और अध्ययन में कृत्रिम बुद्धिमता विभिन्न भारतीय भाषाओं की परस्पर संबद्धता भारतीय सभ्यता के प्रतिबिम्ब के रूप में भाषायी एकता विषय पर प्रकाश डाला एवं चर्चा की। इस कार्यक्रम में भारतीय भाषाओं की आपसी अंतर्संबधता को रेखांकित किया गया। केंद्रित चर्चाओं के माध्यम से इस सम्मेलन में पुस्तकों में प्रस्तुत विचारों भाषिक चिंतन के उपनिवेशीकरण मुक्त स्वरूप में उनकी प्रासंगिकता तथा शिक्षा अनुवाद और भारत की बहुभाषी एकता पर उनके प्रभाव का विश्लेषण किया गया। इस संगोष्ठी में भारत के विभिन्न स्थानों से पधारे विषय विशेषज्ञों द्वारा अपने - अपने विचार प्रस्तुत किये गए।

हर दिन योग, हर दिन निरोग- श्रीमती सविता विडोरिया

12/01/2026 महाविद्यालय में **'राष्ट्रीय युवा दिवस'** के अवसर पर सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें योग प्रशिक्षिका श्रीमती सविता विडोरिया द्वारा सूर्य नमस्कार एवं विभिन्न योग प्राणायाम कराये गये । इस अवसर पर समस्त महाविद्यालय परिवार एवं बड़ी संख्या में नियमित विद्यार्थियों से सहभागिता कर योग प्रशिक्षिका के नेतृत्व में सूर्य नमस्कार एवं विभिन्न योग-प्राणायम किये ।

'राष्ट्रीय सेवा योजना' की संयुक्त इकाई द्वारा 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के उपलक्ष्य में नुक्कड़, नाटक एवं स्वदेशी संकल्प दौड़

12/01/2026 महाविद्यालय की 'राष्ट्रीय सेवा योजना' की संयुक्त इकाई द्वारा स्वामी विवेकानंद जी की 164वी जयंती 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के उपलक्ष्य में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कमलेश सिंह नेगी, बालक इकाई, डॉ. गीता चौहान, बालिका इकाई के नेतृत्व में कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। दल नायिका सोनम गुर्जर, वरिष्ठ स्वयंसेवक रोशनी रजक, ज्योति वर्मा, आकाश कुशवाहा एवं सहायक दलनायक जतिन जोशी एवं स्वयंसेवकों द्वारा स्वस्थ युवा, स्वस्थ भारत एवं नशामुक्त समाज के विषय पर नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन महाविद्यालय के प्रांगण में राष्ट्रीय सेवा योजना फ्लैग एरिया के समीप किया गया एवं जन-जागरूकता स्वदेशी संकल्प दौड़ का आयोजन महाविद्यालय से महात्मा गाँधी चौराहा तक किया गया। विद्यार्थियों, कर्मचारियो, प्राध्यापकगणों की उपस्थिति में यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

'छात्र जीवन में योग: तनाव मुक्ति और बेहतर भविष्य का मार्ग'- श्रीमती सरिता विडोरिया

12- 26/01/2026 महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. संजय जैन के निर्देशन में नि:शुल्क योग प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक- 12 जनवरी से 26 जनवरी तक किया गया। जिसमें योग प्रशिक्षिका श्रीमती सरिता विडोरिया द्वारा विद्यार्थियों को योग, प्राणायम कराये एवं विद्यार्थी जीवन में योग के महत्व के बारे में विद्यार्थियों को बताया। उन्होनें योग प्रशिक्षण देते हुए विद्यार्थियों को बताया कि 'छात्र जीवन में योग : तनाव मुक्ति और बेहतर भविष्य का मार्ग' है। विद्यार्थियों का योग प्रशिक्षण में उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

SWAYAM पोर्टल के माध्यम से विद्यार्थियों को मिल रहा है विभिन्न कोर्सेस करने का अवसर- डॉ. वर्षा चौहान

15-16/01/2026 बी.कॉम. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को SWAYAM Portal के माध्यम से ई-लर्निंग हेतु प्रोत्साहित किया गया। साथ ही जनवरी - अप्रैल 2026 सेमेस्टर के लिए पोर्टल पर उपलब्ध विभिन्न पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों का पंजीकरण कराया गया।

कॉलेज चलो अभियान के अंतर्गत स्कूली छात्र-छात्राओं ने किया भेल कॉलेज का भ्रमण

17/01/2026 'कॉलेज चलो अभियान' के अंतर्गत प्रगतिशील स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा महाविद्यालय का भ्रमण किया और स्कूली छात्र-छात्राएँ भेल महाविद्यालय के वातावरण एवं उपलब्ध सुविधाओं से भलीभाँति परिचित हुए। महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय द्वारा सभी छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका 'सर्जना' भेंट की गई।

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भेल भोपाल और विद्यासागर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में सम्पन्न हुई ओपन कैंपस ड्राइव

17/01/2026 बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भेल भोपाल और विद्यासागर इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में स्नातक और स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों के लिये 'JARO EDUCATION' द्वारा विद्यासागर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, भोपाल में Open Campus Drive का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न कंपनियों में प्लेसमेंट के लिए महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने बहुत ही उत्साहपूर्वक भाग लिया।

'ध्यान' वर्तमान की आवश्यकता है, हमें दिन में कम से कम एक बार ध्यान अवश्य करना चाहिए- डॉ. गुरप्रीत कौर

17/01/2026 उच्च शिक्षा के निर्देशानुसार एक दिवसीय Mental Health Training cum workshop का आयोजन NTF एवं समाजशास्त्र विभाग तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में किया गया, जिसकी मुख्य वक्ता डॉ. गुरप्रीत कौर, एमडी एनाटॉमी जो वर्तमान में एलएन मेडिकल कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर पदस्थ हैं तथा आर्ट ऑफ लिविंग से जुड़ी हुई है। आप हैप्पीनेस प्रोग्राम की टीचर भी है। आप सुदर्शन क्रिया ध्यान इत्यादि भी सिखाती हैं, आपने अपने व्याख्यान में बताया कि मनुष्य के पास सब कुछ होने के बाद भी व्यक्ति खुश नहीं होता। आपने, मन क्या है? के बारे में बताया। आप परिस्थितियों से कैसे सामंजस्य करते है, मन की वृत्तियाँ होती है। जब हम कुछ कर रहे होते है तो वह बीते हुए समय अथवा भविष्य में चला जाता है। मन नकारात्मक बातों पर ज्यादा ध्यान देता है। जो अच्छी बातें रहती है उसे भूल जाता है। जीवन में जो अच्छी घटनाएँ होती है। उस पर भी शंका करता है। श्वास हमारी वर्तमान में होती है। हमारे मन से साँसों का तेज या कम होना प्रभावित होता है। आपने योगासन में भस्त्रिका प्रणायाम करवाया, जिसके करने से मन की स्थिति ठहरी हुई लगती है। जब हमारा मन अच्छा होता है तो हम दूसरो को भी अच्छा रखते है। हमें दिन में कम से कम एक बार ध्यान अवश्य करना चाहिए। ध्यान वर्तमान की आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. चारुलता राठौड़ द्वारा की गई। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. अर्चना शर्मा थी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अर्चना गौर एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी बालिका इकाई डॉ. गीता चौहान ने किया गया। अंत में आभार डॉ. सविता कुमारी डेहरिया ने किया। विद्यार्थियों द्वारा प्रश्न भी पूछे गए, जिसमें सबकॉन्शियस माइंड को कैसे ठीक करना चाहिए। ध्यान से हम विद्यार्थियों को क्या फायदा होगा आदि। मुख्य वक्ता द्वारा विद्यार्थियो की जिज्ञासाओं को शांत किया गया। उक्त कार्यक्रम का आयोजन विद्यार्थियों प्राध्यापकगणों, कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी से सफल हुआ।

राज्य संग्रहालय का भ्रमण कर इतिहास से रूबरू हुए विद्यार्थी

21/01/2026 उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार एवं महाविद्यालय के प्राचार्य के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण राज्य संग्रहालय भोपाल में किया गया। इस भ्रमण में विद्यार्थियों ने उत्खनित सामग्री, धातु प्रतिमा, अभिलेख, रॉयल कलेक्शन, टेक्सटाइल्स, स्वाधीनता संग्राम से संबंधित छायाचित्र, डाक टिकट, ऑटोग्राफ, वाद्य यंत्र, पांडुलिपियों, लघु रंग चित्र, मुद्राएं, अस्त्र-शस्त्र आदि का अवलोकन किया। महाविद्यालय के विद्यार्थी इस भ्रमण से अत्यधिक लाभान्वित हुए एवं उनका ज्ञानवर्धन हुआ। इस भ्रमण के प्रस्थान के समय डॉ. चारूलता राठौड़ एवं श्री राजाराम महावर ने विद्यार्थियों को भ्रमण की शुभकामनाएँ दी। भ्रमण में डॉ. अर्चना जैन, डॉ. अंजना अग्रवाल, श्रीमती चित्रा खरे, श्रीमती अनुपमा गीते, श्री ललित कुमार गौड़ की सहभागिता रही। इस भ्रमण के सफलतम आयोजन के लिए विद्यार्थियों ने महाविद्यालय के प्राचार्य को धन्यवाद प्रेषित किया।

भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ एवं भारतीय शिक्षण मंडल के संयुक्त तत्वाधान में वसंत पंचमी एवं नेताजी सुभाषचंद्र बोस जयंती के उपलक्ष्य में किया गया विविध कार्यक्रमों का आयोजन

22/01/2026 भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ एवं भारतीय शिक्षण मंडल के संयुक्त तत्वावधान में बसंत पंचमी एवं नेताजी सुभाषचंद्र बोस जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय सांस्कृतिक चेतना, लोक परंपराओं तथा राष्ट्र निर्माण में नेताजी सुभाषचंद्र बोस के विचारों की प्रासंगिकता को विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत करने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. मनीष शर्मा, प्राध्यापक अर्थशास्त्र, उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान भोपाल का स्वागत नव पल्लवित पौधे से किया गया|कार्यक्रम के अंतर्गत निम्न गतिविधियाँ आयोजित हुईं- लोकगीत एवं लोकनृत्य पर केंद्रित सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, जिनके माध्यम से भारतीय लोक संस्कृति की विविधता को प्रदर्शित किया गया।

बसंत पंचमी के महत्व पर विशेष व्याख्यान, जिसमें बसंत ऋतु, विद्या, कला एवं सृजनात्मकता से इसके संबंध को रेखांकित किया गया। नेताजी सुभाषचंद्र बोस के क्रांतिकारी विचार एवं राष्ट्र निर्माण के आदर्श विषय पर परिचर्चा हुई, जिसमें उनके त्याग, साहस एवं राष्ट्रभक्ति से विद्यार्थियों को प्रेरित किया गया, मुख्य वक्ता ने इसे भारतीय शिक्षण मंडल से जोड़ कर PPT के माध्यम से विस्तार से भारतीय संस्कृति एवं शिक्षा के विषय में बताया। हिंदी विभाग के डॉ. विमलेश बैरागी (IEHE) भी उपस्थिति रहे । कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य के मार्गदर्शन एवं डॉ. चारूलता राठौड़ प्रभारी प्राचार्य की अध्यक्षता में संपन्न हुआ । भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ की प्रभारी डॉ. समता जैन एवं डॉ. उमेश कुमार साकल्ले, डॉ. अर्चना जैन, डॉ. मीता बादल, डॉ. नवीन मालवीय, श्रीमती पूनम वरवड़े के संयोजन में कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों की सक्रिय सहभागिता से कार्यक्रम अत्यंत प्रेरणादायी एवं ज्ञानवर्धक सिद्ध हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ. समता जैन एवं अंत में आभार डॉ. मीता बादल द्वारा दिया गया आभार ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया ।

बजट देश की आर्थिक दिशा एवं नीति का दर्पण - डॉ. मनीष शर्मा

22/01/2026 'बजट पर चर्चा' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन डॉ. डी.वी. जैसवाल सेमिनार हॉल में किया गया, इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों को भारतीय बजट की संरचना, उसकी प्रमुख विशेषताओं एवं आर्थिक विकास में उसकी भूमिका से अवगत कराना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। तत्पश्चात आयोजन मंडल द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ. मनीष शर्मा, प्राध्यापक अर्थशास्त्र, उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल ने अपने सारगर्भित व्याख्यान में बजट की अवधारणा, उसके विभिन्न घटकों, राजस्व एवं व्यय संरचना, वित्तीय घाटा, सामाजिक एवं आर्थिक प्राथमिकताओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बजट को देश की आर्थिक दिशा एवं नीति का दर्पण बताते हुए विद्यार्थियों को आर्थिक दृष्टिकोण से सोचने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला में विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई तथा बजट से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे, जिनका समाधान मुख्य वक्ता द्वारा सरल एवं प्रभावी ढंग से किया गया। इस चर्चा से विद्यार्थियों की आर्थिक समझ में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अर्थशास्त्र विभाग की प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. सीमा श्रीवास्तव, डॉ. समता जैन, प्राध्यापक एवं श्रीमती प्रतिभा डेहरिया, सहायक प्राध्यापक का विशेष योगदान रहा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. चारूलता राठौड़ द्वारा की गई, जिन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में इस प्रकार के शैक्षणिक आयोजनों को विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने कार्यशाला को अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी बताया।

महाविद्यालय परिवार द्वारा मनाई गई बसंत पंचमी

23/01/2026 वसंत पंचमी के शुभ अवसर पर माँ सरस्वती जी का प्राचार्य कक्ष में प्रभारी प्राचार्य डॉ. चारूलता राठौड़, स्टाफ क्लब की संयोजक डॉ. अनुराधा दुबे, सदस्य डॉ. अर्चना शर्मा, डॉ. इलारानी श्रीवास्तव व अन्य प्राध्यापकगणों, विद्यार्थियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में श्री रमाकांत तिवारी द्वारा मंत्रों उच्चारण के साथ पूजन-अर्चन करवाया गया । इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक डॉ. दीक्षा बरडे द्वारा सरस्वती वंदना गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम समापन के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया ।

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला 'कालजयी' कवि थे, उनकी कविताएँ आज भी प्रासंगिक हैं- डॉ. चारूलता राठौड़

23/01/2026 वसंत पंचमी के अवसर पर हिंदी विभाग और स्वरचित साहित्य मंच के संयुक्त तत्वावधान में निराला जयंती का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम प्रभारी प्राचार्य डॉ. चारुलता राठौड़ द्वारा निराला जी के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की गयी। सम्माननीय राठौड़ मेडम ने कहा कि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला 'कालजयी' कवि थे, उनकी कविताएँ आज भी प्रासंगिक हैं। कार्यक्रम में नमन, रूक्मणी, नैना, तुषार ने स्वरचित और त्रिवेणी,अंसार, मधु तथा शशि ने निराला जी की कविताएँ प्रस्तुत कीं। स्वीटी अहिरवार ने महाप्राण निराला के साहित्यिक पक्ष पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन बीए तृतीय वर्ष के छात्र मनन दीक्षित ने किया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. सुषमा जादौन ने प्रभारी प्राचार्य, उपस्थित प्राध्यापकों और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. इलारानी श्रीवास्तव, डॉ. मीता बादल, डॉ. अर्चना शर्मा, डॉ. अर्चना गौर, श्रीमती शालिनी तिवारी, डॉ. गीता चौहान, डॉ. वर्षा चौहान, डॉ.दीक्षा बर्डे, डॉ. सविता डेहरिया और समस्त अतिथि विद्वान उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने भी अत्यंत रुचि के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की। निराला जयंती और वसंत पंचमी पर हिंदी विभाग द्वारा एक नया यू ट्यूब चैनल 'बात हिंदी की' प्रारंभ किया गया। छायावादी कवि निराला जी के स्मरण- कार्यक्रम की सभी उपस्थित श्रोताओं ने सराहना की ।

‘राष्ट्रीय पर्यटन दिवस’ के उपलक्ष्य में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

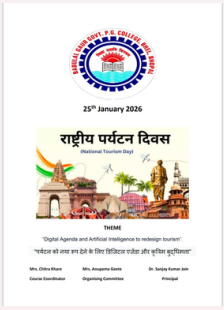

24/01/2026 ‘राष्ट्रीय पर्यटन दिवस’- 25 जनवरी 2026 (रविवार) के उपलक्ष्य पर क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

पोस्ट ऑफिस की टर्म पॉलिसी भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है- श्री मनोज विश्वकर्मा

24/01/2026 समाजशास्त्र विभाग द्वारा भारतीय डाक विभाग की ओर से एक ज्ञानवर्धक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भारतीय डाक विभाग भोपाल डिवीजन से श्री बृजेश धाकड़, श्री मनोज विश्कर्मा एवं श्री सुमित गंगोपाध्याय उपस्थित हुए। महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. चारुलता राठौड़ ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि डाक विभाग की योजनाएँ अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। आज हमें बीमा, निवेश और बचत योजनाओं की आवश्यक जानकारी प्राप्त होगी। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री बृजेश धाकड़ ने डाक विभाग की स्थापना, पी. एल. आई. के वैशिष्ट्य, बचत योजनाओं की जानकारी अत्यंत सरल शब्दों में दी। श्री मनोज विश्कर्मा ने बताया कि पोस्ट ऑफिस की टर्म पॉलिसी भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। इस कार्यशाला में महाविद्यालय के सभी कर्मचारियों, प्राध्यापकों एवं अतिथि विद्वानों ने सहभागिता की । कार्यशाला में डॉ. वर्षा चौहान, डॉ. उमेश कुमार साकल्ले और डॉ. इलारानी श्रीवास्तव ने प्रश्न किए, जिनका उपस्थित अधिकारियों ने समाधान किया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार डॉ. गीता चौहान ने किया।

हमारा लोकतंत्र- अनुशासन सेवा और संवैधानिक चेतना का जीवंत उत्सव

26/01/2026 महाविद्यालय में गणतंत्र दिवस के अवसर पर एक गरिमामय, अनुशासित एवं प्रेरणादायी समारोह का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में संविधान की गरिमा राष्ट्रीय चेतना तथा युवाओं की भूमिका को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया । सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन, जनभागीदारी अध्यक्ष माननीय श्री बारेलाल जी, सेवानिवृत्त होने वाले प्राध्यापक डॉ. चारूलता राठौड़, डॉ. इलारानी श्रीवास्तव और मुख्य लिपिक श्री राजाराम महावर ने ध्वजारोहण किया। समारोह का शुभारंभ एन. सी. सी. की छात्राओं द्वारा ‘वंदेमातरम’ के समधुर गायन से हुआ। एन. सी. सी. कैडेट्स की अनुशासित उपस्थिति तथा एन. एस. एस. स्वयंसेवकों की सक्रिय सहभागिता ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने देश के वैविध्य, शहीदों के त्याग और बलिदान की चर्चा कर हम सभी को उत्तरदायित्व का स्मरण कराया। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस संविधान को समझने, अपनाने और व्यवहार में उतारने का अवसर है। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं जनभागीदारी अध्यक्ष माननीय श्री बारेलाल जी अहिरवार ने संविधान के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से अपने अधिकारों के साथ कर्त्तव्यों के निर्वहन का आह्वान किया। कार्यक्रम में डॉ. चारूलता राठौड़, डॉ. इलारानी श्रीवास्तव, श्री राजाराम महावर और श्री रमाकांत तिवारी ने भी संबोधित किया। डॉ. सुषमा जादौन का स्वरचित गीत ‘ऑपरेशन सिन्दूर’ के गौरव, बेटियों की पीड़ा तथा भारतीय लोकतंत्र की शक्ति की आवाज बन गया। विद्यार्थियों में जतिन जोशी, साक्षी, ईशू, दिव्या और शानू ने अपनी प्रस्तुति से कार्यक्रम में देशभक्ति के रंग भर दिए । महाविद्यालय के सुरक्षाकर्मी श्री मनोहर लाल सोनी का स्वरचित गीत इस कार्यक्रम की पूर्णाहुति बना। समारोह का सुव्यवस्थित एवं प्रभावी संचालन डॉ. अनुपमा यादव ने किया । एन. सी. सी. प्रभारी डॉ. वर्षा चौहान के मार्गदर्शन में एवं एन. एस. एस. प्रभारी डॉ. गीता चौहान के नेतृत्व में कैडेट्स एवं स्वयंसेवको की सहभागिता सराहनीय रही। सम्पूर्ण समारोह अनुशासन सेवा और संवैधानिक चेतना का जीवंत उदाहरण बन गया ।

'गणतंत्र दिवस' के अवसर पर जनभागीदारी समिति द्वारा श्री गोपाल राठौर, सेवानिवृत्त सहायक महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक भोपाल को किया गया सम्मानित

26/01/2026 बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल की जनभागीदारी समिति ने 77 वें गणतंत्र दिवस अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक के सेवानिवृत्त सहायक महाप्रबंधक श्री गोपाल राठौर को इस महाविद्यालय में छात्र-हित में दिये गए अविस्मणीय योगदान-महाविद्यालय के अकादमिक उन्नयन हेतु सतत् सहयोग, विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु निःशुल्क प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हेतु लगभग 500 से अधिक पुस्तकें दान, बैंकिंग सर्कुलर एवं क्रियान्वयन संबंधी साहित्य का मार्गदर्शन, के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए जनभागीदारी अध्यक्ष श्री बारेलाल अहिरवार एवं प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने श्री राठौर की अस्वस्थता के कारण उनके निवास पर जाकर शॉल, श्रीफल, पुष्पगुच्छ एवं सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया. उल्लेखनीय है कि श्री गोपाल राठौर का नाम 2010 से 2017 तक **लिमका बुक आफ रिकॉर्डस मे उनकी पुस्तक 'एवर लैटैस्ट इन बैंकिंग'** के सर्वाधिक संशोधित 53 संस्करण प्रकाशित होने के कारण दर्ज है। बैंकिंग कार्यप्रणाली के सुचारु संचालन के लिए उस समय के बैंक कर्मचारियों, अधिकारियों के लिए यह पुस्तक सर्वाधिक लोकप्रिय मार्गदर्शिका रही है। महाविद्यालय प्रशासन श्री राठौर के उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

विकसित भारत स्वर्णिम युग की ओर 2047 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति : क्रियान्वयन, संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित म.प्र. ज्ञान सभा में सहभागिता

29/01/2026 श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय इंदौर, म.प्र. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग तथा शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्यप्रदेश ज्ञान सभा- 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति : क्रियान्वयन, संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ' विषय पर दो दिवसीय ज्ञानसभा दिनांक- 28 एवं 29 जनवरी 2026 को श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय कार्यालय, राज मोहल्ला, इंदौर, म.प्र. में आयोजित किया गया। जिसमें दिनांक- 28 जनवरी 2026 को विद्यालयीन शिक्षा एवं 29 जनवरी 2026 को विश्वविद्यालयीन शिक्षा के विद्यार्थियों एवं शिक्षाविदों को आमंत्रित किया गया।

ज्ञान सभा में दिनांक- 29/01/2026 को उद्घाटन सत्र में डॉ. मनमोहन वैद्य अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, डॉ. अतुल कोठारी, राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली, श्री अशोक कड़ेल, संचालक, हिन्दी ग्रंथ अकादमी, प्रो. खेमसिंह डहेरिया, अध्यक्ष, म.प्र. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग, भोपाल, **डॉ. संजय जैन, प्राचार्य, बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भेल भोपाल एवं डॉ. सविता डहेरिया, सहायक प्राध्यापक बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भेल भोपाल** तथा प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के शिक्षाविद, प्राध्यापक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

डॉ. मनमोहन वैद्य द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि भारत को भारतीय अवधारणा के साथ दिखाने और सिखाने में शिक्षक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं। शिक्षकों को भारत की आभा को प्रतिस्थापित और प्रतिष्ठित करने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। भारत एक राष्ट्र है। भारतीय इतिहास में राजा पराजित हुए हैं, किंतु राष्ट्र हमेशा अपराजित रहा है।

उद्घाटन सत्र के प्रारंभ में डॉ. अतुल कोठारी जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति केवल सरकार की नहीं है, शिक्षा नीति के लिए सम्पूर्ण राष्ट्र के विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षाविदों एवं आचार्यो से सुझाव माँगे गये थे, राष्ट्रीय शिक्षा नीति मानस को बदलने का अभियान है।

कार्यक्रम में म.प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी के निदेशक श्री अशोक कड़ेल ने कहा कि देश में म.प्र. ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 को सबसे पहले अंगीकृत कर क्रियान्वित किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आलोक में भारतीय ज्ञान परंपरा को पाठ्यक्रमों में समाहित करने का काम भी सर्वप्रथम हमारे राज्य में हुआ है।

ज्ञान सभा में म.प्र. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष प्रो. खेमसिंह डेहरिया द्वारा कहा गया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू होने से शिक्षा में परिवर्तन देखने को मिल रहा है। विद्यार्थियों के अवसाद को देखते हुये हमारे प्रदेश में चरित्र निर्माण के पाठ्यक्रम बनाए जा रहे है।

कार्यक्रम के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में श्री इंदर सिंह परमार जी, माननीय मंत्री, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष विभाग, डॉ. अतुल कोठारी, राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली, प्रो. अर्पण भारद्वाज, कुलगुरू सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन एवं श्री पुरूषोत्तमदास पसारी, कुलाधिपति, श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय इंदौर एवं श्री सुरेश गुप्ता, सम्राट अशोक अभियांत्रिकी संस्थान, विदिशा उपस्थित रहे।

समापन सत्र में माननीय मंत्री जी द्वारा अपने वक्तव्य में कहा गया कि ज्ञान सभा म.प्र. को दिशा देने की कोशिश के रूप में देखता हूँ। शिक्षा नीति- 2020 आने के बाद हमने अपने को पहचानना प्रारंभ कर दिया है। हमारे प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सर्व प्रथम कियान्वित किया गया है। मुझे विश्वास है कि 2047 तक कैसी शिक्षा होना चाहिए यह मंथन हुआ होगा।

महात्मा गाँधी की 78 वीं पुण्यतिथि पर रखा गया दो मिनट का मौन

30/01/2026 महात्मा गाँधी की 78 वी पुण्यतिथि पर राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया एवं दो मिनट का मौन रखा गया।

'भारतीय अर्थव्यवस्था का बदलता स्वरूप' विषय पर व्याख्यान का आयोजन

30/01/2026 'भारतीय अर्थव्यवस्था का बदलता स्वरूप' विषय पर अर्थशास्त्र विभाग द्वारा व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. सुषमा जैन के द्वारा व्याख्यान दिया गया।

स्वामी विवेकानंद कॅरियर गाइडेंस, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में 'RESUME BUILDING AND INTERVIEW SKILLS' विषय पर व्याख्यान का आयोजन

31/01/2026 स्वामी विवेकानंद कॅरियर गाइडेंस, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में प्राचार्य महोदय के मार्गदर्शन में महाविद्यालय के नियमित विद्यार्थियों के लिए एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान का विषय 'RESUME BUILDING AND INTERVIEW SKILLS' था। मुख्य वक्ता के रूप में, VNS Groups Of College से सुश्री चारू कटियार, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर तथा सुश्री अंजली सोनी, असिस्टेंट प्रोफेसर ने अपने व्याख्यान दिए। सुश्री अंजली सोनी ने विद्यार्थियों को रिज्यूमे तैयार करने का तरीका बताया तथा कौन- सी बातें रिज्यूमे में शामिल की जाएं और कौन - सी नहीं, इसके बारे में विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी। सुश्री चारू कटियार ने विद्यार्थियों को इंटरव्यू में स्वयं को प्रेजेंट करना, इंटरव्यू के लिए ड्रेस का चुनाव करना, इंटरव्यू कक्ष में प्रवेश करना, कुर्सी पर बैठना और पूछे गए प्रश्नों को धैर्यपूर्वक ध्यान से समझकर जवाब देने के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही, दोनों मुख्य वक्ताओं ने विद्यार्थीयों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देकर उनकी शंकाओं का समाधान भी किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बहुत ही उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा इस कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के सभी सदस्यों ने भरपूर सहयोग प्रदान किया।

समाचार पत्रों से

इंटर्नशिप और फील्डवर्क प्रोजेक्ट से शीघ्र रोजगार संभव : डॉ. वी एस सिंह

भोपाल। बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में पद्माश्रीवास्तव ट्रेनिंग एंड रिसर्च सेंटर द्वारा इस वर्ष के छात्रा छात्राओं को सहभागिता प्रमाण पत्र उच्च शिक्षा के सेवानिवृत्त अतिरिक्त संचालक डा वी एस सिंह के कर कमलों द्वारा वितरित किए गये .इसमें नूतन कालेज,श्यामाप्रसाद मुकर्जी कालेज ,एमवीएम कालेज और हमीदिया कालेज के विद्यार्थियों ने सहभागिता की.इस अवसर पर डा वीएस सिंह ने कहा कि इंटर्नशिप और फील्डवर्क प्रोजेक्ट मे कार्य करने वालों को शीघ्र रोजगार मिलने की संभावना रहतीं है क्यों कि उन्हें विषय का व्यवहारिक ज्ञान होता है .प्राचार्य डा संजय जैन ने कहा कि शिक्षक कभी सेवा निवृत नही होता यह डा पद्माश्रीवास्तव ने अपने रिसर्च और ट्रेनिंग सेंटर से साबित कर दिया.इस अवसर पर आई क्यू ए सी प्रभारी डा.कीर्ति श्रीवास्तव एवं जूलाजी विभागाध्यक्ष डा चारुलता श्रीवास्तव भी उपस्थित रही जनभागीदारी सदस्य श्री तेजसिंह ठाकुर ने भेल कालेज के छात्र छात्राओं को भी इस रिसर्च एंड ट्रेनिंग सेंटर से जुड़ने की सलाह दी।

इंटर्नशिप और फील्डवर्क प्रोजेक्ट से शीघ्र रोजगार संभव –डॉ. वी एस सिंह

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में पद्माश्रीवास्तव ट्रेनिंग एंड रिसर्च सेंटर द्वारा इस वर्ष के छात्रा-छात्राओं को सहभागिता प्रमाण पत्र उच्च शिक्षा के सेवानिवृत्त अतिरिक्त संचालक डा वी एस सिंह द्वारा वितरित किए गये .इसमें नूतन कालेज,श्यामाप्रसाद मुकर्जी कालेज ,एमवीएम कालेज और हमीदिया कालेज के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर डॉ. वीएस सिंह ने कहा कि इंटर्नशिप और फील्डवर्क प्रोजेक्ट मे कार्य करने वालों को शीघ्र रोजगार मिलने की संभावना रहती है क्योंकि उन्हें विषय का व्यवहारिक ज्ञान होता है। प्राचार्य डा. संजय जैन ने कहा कि शिक्षक कभी सेवा निवृत नहीं होता, यह डॉ. पद्माश्रीवास्तव ने अपने रिसर्च और ट्रेनिंग सेंटर से साबित कर दिया। इस अवसर पर आईक्यूएसी प्रभारी डा.कीर्ति श्रीवास्तव एवं जूलाजी विभागाध्यक्ष डॉ. चारुलता श्रीवास्तव भी उपस्थित रही। जनभागीदारी सदस्य तेजसिंह ठाकुर ने भेल कालेज के छात्र छात्राओं को भी इस रिसर्च एंड ट्रेनिंग सेंटर से जुडने की सलाह दी।

भेल कॉलेज में इंटर्नशिप और फील्डवर्क से विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर—डॉ. सिंह

submit paper for publication

submit paper for publication

इंटर्नशिप और फील्डवर्क प्रोजेक्ट से शीघ्र रोजगार संभव -डा वी एस सिंह

प्रखर उजाला कौशल बैरागी क्राइम रिपोर्टर

भोपाल !बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में पद्माश्रीवास्तव ट्रेनिंग एंड रिसर्च सेंटर द्वारा इस वर्ष के छात्रा छात्राओं को सहभागिता प्रमाण पत्र उच्च शिक्षा के सेवानिवृत्त अतिरिक्त संचालक डा वी एस सिंह के कर कमलों द्वारा वितरित किए गये .इसमें नूतन

कालेज,श्यामाप्रसाद मुकर्जी कालेज ,एमवीएम कालेज और हमीदिया कालेज के विद्यार्थियों ने सहभागिता की.इस अवसर पर डा वीएस सिंह ने कहा कि इंटर्नशिप और फील्डवर्क प्रोजेक्ट मे कार्य करने वालों को शीघ्र रोजगार मिलने की संभावना रहतीं है क्यों कि उन्हें विषय का व्यवहारिक ज्ञान होता है .प्राचार्य डा संजय जैन ने कहा कि शिक्षक कभी सेवा निवृत नही होता यह डा पद्माश्रीवास्तव ने अपने रिसर्च और ट्रेनिंग सेंटर से साबित कर दिया.इस अवसर पर आई क्यू ए सी प्रभारी डा.कीर्ति श्रीवास्तव एवं जूलाजी विभागाध्यक्ष डा चारुलता श्रीवास्तव भी उपस्थित रही जनभागीदारी सदस्य तेजसिंह ठाकुर ने भेल कालेज के छात्र छात्राओं को भी इस रिसर्च एंड ट्रेनिंग सेंटर से जुडने की सलाह दी

दैनिक लोकदेश

भोपाल, गुरुवार 8 जनवरी 2026

स्कूल के विद्यार्थियों ने किया कॉलेज का भ्रमण

भोपाल| 'कालेज चलो अभियान' के तहत भेल क्षेत्र के विद्यार्थियों ने बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय का भ्रमण किया। विद्यार्थियों को महाविद्यालय की सुविधाओं व पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी दी गई। महाविद्यालय कला, वाणिज्य और विज्ञान के स्नातकोत्तर स्तर तक सहशिक्षा प्रदान करता है।

9.1.2026

स्कूलों में पहुंची कालेज चलो अभियान की टीमें

स्कूली छात्रों को बताएं भेल कॉलेज की विशेषताएं

स्वदेश संवाददाता ■ भोपाल

भेल के बाबूलाल गौर शासकीय पीजी महाविद्यालय की टीम ने कालेज चलो अभियान के तहत स्कूलों में शुक्रवार को जाकर भेल कॉलेज से मिल रही सुविधाओं और विशेषताओं को जाना।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ सजय जैन ने बताया कि भेल क्षेत्र के इस सरकारी कॉलेज में कला, वाणिज्य और विज्ञान तीनो संकाय में पीजी स्तर तक शिक्षा दी जाती है। यहां पर्यटन और होटल प्रबंधन, कम्प्यूटर एप्लीकेशन, बायोटेक्नोलॉजी जैसे रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम है।

भेल कालेज के प्राध्यापकों द्वारादल प्रगतिशील हायर सेकेंडरी स्कूल पिपलानी, शासकीय विद्यालय आनंदनगर, बोनीफाइ स्कूल अयोध्या बायपास, सेंट जेवियर, डीएव्ही पिपलानी, कॉर्मल स्कूल, सेंट थेरेसा पिपलानी, सागर स्कूल साकेतनगर और महात्मा गांधी स्कूल बरखेड़ा जाकर कॉलेज में सरकार से मिलने वाले योजनाओं के बारे में बताया।

प्राचार्य डॉ जैन ने बताया कि 12 जनवरी से भेल क्षेत्र के सभी विद्यालयों के विद्यार्थियों को भेल कालेज में भ्रमण कराया जाएगा। इस मौके पर अभियान संयोजक डा अनुराधा दुबे के साथ सहयोगी प्रो प्रतिभा डेहरिया एवं डा अर्चना शर्मा ने वार्षिक पत्रिका सर्जना स्कूलों को उपलब्ध कराई।

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा निर्देशित 'कालेज चलो अभियान' के अंतर्गत स्कूल के छात्र-छात्राओं ने जाना-

9.1.2026

बीएलजी कालेज से अवगत हुए स्कूल के विद्यार्थी

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। बाबूलाल गौर पीजी कालेज (भेल) में कला, वाणिज्य और विज्ञान तीनो संकाय में पीजी स्तर तक सहशिक्षा देता है। यहां पर्यटन और होटल प्रबंधन, कम्प्यूटर एप्लीकेशन, बायोटेक्नोलॉजी, जैसे रोजगारोन्मुखी कोर्स चल रहे हैं। वाणिज्य और राजनीति विज्ञान में पीएचडी के लिए शोध, स्मार्ट क्लास ई-लाईब्रेरी, ओपन जिम, एनएसएस, एनसीसी, स्पोर्ट्स की सुविधाएं दी जाती हैं। उक्त जानकारी प्रगतिशील हायर सेकेंडरी स्कूल पिपलानी, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आनंदनगर, बोनीफाइ कोएड हायर सेकेंडरी स्कूल अयोध्या बायपास, सेंट जेवियर कोएड स्कूल, डीएव्ही पब्लिक स्कूल पिपलानी, कॉर्मल कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल, सेंट थेरेसा गर्ल्स स्कूल पिपलानी, सागर पब्लिक स्कूल साकेत नगर और महात्मा गांधी हायर सेकेंडरी स्कूल बरखेड़ा में बीएलजी कालेज के प्रोफेसरों के दलों ने कालेज चलो अभियान तहत पहुंचकर दीं।

शुक्रवार
9 जनवरी, 2026

बाबूलाल गौर शासकीय महाविद्यालय भेल की सुविधाएं विशेषताएं

Facilities and Features of Baboolal Gaur Government College, BHEL

दैनिक डेली स्टार

'शिक्षा, अवसर और मार्गदर्शन का संगम 'कालेज चलो अभियान' के तहत स्कूलों में पहुँचा भेल कालेज

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भेल में उपलब्ध शैक्षणिक सुविधाओं, रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों एवं छात्रहितकारी योजनाओं की दी गई विस्तृत जानकारी

9.1.2026

भेल कालेज की खूबियों से रूबरू हुए स्कूली विद्यार्थी

कालेज की टीम ने क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों का दौरा किया। • सौजन्य: आयोजक

• कालेज की टीम ने स्कूलों में दी सुविधाओं की जानकारी

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार 'कालेज चलो अभियान' के तहत भेल क्षेत्र के बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की टीम ने विभिन्न स्कूलों का दौरा किया।

इस अभियान का उद्देश्य स्कूली छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय में उपलब्ध आधुनिक सुविधाओं, रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों और शासन की योजनाओं से अवगत कराना है, ताकि वे भविष्य के लिए सही निर्णय ले सकें। महाविद्यालय में कला, वाणिज्य और विज्ञान के स्नातकोत्तर स्तर तक सह-शिक्षा उपलब्ध है। यहां पर्यटन, होटल प्रबंधन, कंप्यूटर एप्लीकेशन और बायोटेक्नोलाजी जैसे जाब-ओरिएंटेड कोर्स भी संचालित हैं। प्राचार्य डा. संजय जैन ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लागू होने से विद्यार्थियों को विषयों के चुनाव में विविधता मिली है।

कालेज में स्मार्ट क्लास, ई-लाइब्रेरी, ओपन जिम, एनसीसी, एनएसएस और खेलों की सुविधाएं हैं। अभियान की संयोजक डा. अनुराधा दुबे और उनकी टीम ने कई स्कूलों का दौरा किया और कालेज की वार्षिक पत्रिका 'सर्जना' भेंट की।

समाचार पत्रों से

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा निर्देशित कालेज चलो अभियान के अंतर्गत स्कूल के छात्र-छात्राओं ने जाना उपलब्ध सुविधाओं और विशेषताओं को

'भाषा और संस्कृति एक-दूसरे के वाहक'

भोपाल। विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर बाबूलाल गौर कॉलेज (भेल) में आयोजित परिचर्चा में साहित्यकार डॉ. सुधीर कुमार शर्मा ने कहा कि भाषा संस्कृति को आगे बढ़ाने वाला रथ है और हिंदी का सम्मान अपनी मां का सम्मान है। उन्होंने कहा कि भाषा कमजोर होती है तो संस्कार और संस्कृति का नुकसान होता है और अंततः राष्ट्र का अस्तित्व भी संकट में पड़ जाता है। दोनों एक दूसरे के वाहक हैं। मुख्य अतिथि डॉ. विनोद कुमार जैन ने हिंदी की वर्तमान स्थिति पर चिंता जताई और हिंदी में हस्ताक्षर करने का अनुरोध किया।

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल में वासंती काव्य गोष्ठी सम्पन्न

दैनिक कारखाने का सफर | राजधानी

भाषा संस्कृति को आगे बढ़ाने वाला रथ है- डॉ.सुधीर शर्मा

कैंपस अपडेट

दैनिक भास्कर भोपाल 22.1.2026

राज्य संग्रहालय का भ्रमण कर इतिहास से रूबरू हुए विद्यार्थी

भोपाल | बाबूलाल गौर शासकीय महाविद्यालय, भेल के विद्यार्थियों ने राज्य संग्रहालय भोपाल का शैक्षणिक भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान छात्रों ने उत्खनन से प्राप्त ऐतिहासिक सामग्री, धातु प्रतिमाएं, शिलालेख, रॉयल कलेक्शन, वस्त्र, स्वाधीनता संग्राम से जुड़े चित्र, डाक टिकट, ऑटोग्राफ, वाद्य यंत्र, पांडुलिपियां, लघु चित्र, मुद्राएं और अस्त्र-शस्त्र देखे। संग्रहालय में प्रदर्शित विरासत को देखकर छात्रों ने भारतीय इतिहास और संस्कृति की समझ विकसित की। कार्यक्रम की शुरुआत में डॉ. चारुलता राठौड़ और राजाराम महावर ने छात्रों को संबोधित किया।

भाषा संस्कृति को आगे बढ़ाने वाला रथ है- डॉ.सुधीर शर्मा

विश्व हिंदी दिवस पर आयोजन

भोपाल. टॉपर मेट्रो।

भाषा संस्कृति को आगे बढ़ाने वाला रथ है। हिंदी -का सम्मान करना अपनी माँ का सम्मान करना है। भाषा कमजोर हुई तो संस्कार और संस्कृति भी कमजोर होगी। यह उद्गार हैं वरिष्ठ साहित्यकार प्रोफेसर सुधीर कुमार शर्मा के जो विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर बाबूलाल गौर शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल, भोपाल में आयोजित परिचर्चा एवं कवि गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे। डॉ. शर्मा ने कहा कि भाषा बदलती है तो भोजन बदलता है, औषधियाँ बदलती हैं, हमारी जीवन-शैली बदलती है। जब भाषा कमजोर होती है तो समाज में बहुत-सी विसंगतियाँ पैदा हो जाती हैं। अभी संस्कृति का क्षरण हो रहा है और जब संस्कृति नष्ट हो जाती है तो राष्ट्र का अस्तित्व भी संकट में पड़ जाता है। संस्कृति का आधार भाषा है। आवश्यकता के अनुरूप भाषाएँ दूसरे शब्दों को ग्रहण करती हैं क्योंकि भाषाएँ उदार होती हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त अपर महाप्रबंधक डॉ. विनोद कुमार जैन ने हिन्दी की वर्तमान स्थिति पर अपने विचार रखते हुए कहा कि हमें मातृभाषा हिन्दी पर चिंता और चिंतन करना अति आवश्यक है। चिंता इस बात की है कि हिन्दी भाषा आज फिसलन पर है और अन्य भाषाओं की ओर फिसलती जा रही है और चिंतन इस पर कि जिस मातृभाषा हिन्दी को हमने बचपन से सीखा है, तिलक के रूप में पहचाना है, स्नेह एवं संवाद के रूप में अपनाया है, उस हिन्दी भाषा का विश्व में क्या स्थान है। भाषा समृद्ध होती है, सशक्त होती है, उसके अनेक गुण होते हैं। विद्यार्थियों से हिन्दी भाषा में हस्ताक्षर करने का प्रण लेने को वरिष्ठ साहित्यकार घनश्याम मैथिल 'अमृत' द्वारा कहा गया। उन्होंने बताया कि हमारी भाषा कैसे धीरे-धीरे सिमटती जा रही है और हमें इसे बचाने की आवश्यकता है। भाषा हमारी पहचान है, हमारा गौरव है, हमारा स्वाभिमान है। हमें इसे अपमानित होने से बचाना है। कार्यक्रम में चैतन्य जैन जो ऑस्ट्रेलिया से आए थे, ने हिन्दी एवं भारत से अपने जुड़ाव पर प्रकाश डालते हुए कई रोचक अनुभव साझा किए और बताया कि विदेशों में रहते हुए भी हिन्दी भाषा हमें, हमारी जड़ों से जोड़े रखती है। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. संजय कुमार जैन ने कहा कि आप इसे साधारण एवं सामान्य भाषा समझते हैं, परन्तु यह एक असाधारण भाषा है। आपको अपने जीवन में इसकी सार्थकता को समझना चाहिए। कार्यक्रम की संयोजक हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ.सुषमा जादौन ने सभी को विश्व हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दीं। डॉ. सुधीरकुमार शर्मा , विनोद कुमार जैन, घनश्याम मैथिल अमृत द्वारा कविता पाठ भी किया गया। महाविद्यालय की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाली दो छात्राओं -श्रेया विश्वकर्मा ,खुशी द्विवेदी द्वारा 'मैं हिन्दी हूँ' लघु नाटिका का मंचन किया गया। कार्यक्रम में कविता, साहित्य और भाषा की त्रिवेणी बही। भावपूर्ण आभार प्रदर्शन बी.ए. तृतीय वर्ष के छात्र मनन दीक्षित द्वारा किया गया।

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल में आयोजित हुआ मानसिक स्वास्थ्य प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

23.1.2026

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल में वासंती काव्य गोष्ठी सम्पन्न

दैनिक भास्कर भोपाल 28.1.2026

बाबूलाल गौर कॉलेज में राठौर सम्मानित

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भेल ने 26 जनवरी को जनभागीदारी समिति के माध्यम से गोपाल राठौर को छात्र हित में योगदान के लिए सम्मानित किया। भारतीय बैंक के सेवानिवृत्त सहायक महाप्रबंधक राठौर ने कॉलेज के छात्रों को निःशुल्क प्रतियोगी प्रशिक्षण व सहयोग और 500 से अधिक पुस्तकें दान कीं हैं।

हरिभूमि भोपाल 28.1.2026

शिक्षा क्षेत्र में योगदान के लिए राठौर सम्मानित

भोपाल। राजधानी स्थित बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति ने भारतीय स्टेट बैंक के सेवानिवृत्त सहायक महाप्रबंधक गोपाल राठौर को सम्मानित किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन, 500 से अधिक पुस्तकें दान की। जनभागीदारी अध्यक्ष बारेलाल अहिरवार और प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने राठौर की अस्वस्थता के कारण उनके निवास पर पहुंचकर शॉल, श्रीफल और सम्मान पत्र प्रदान किया।

स्वदेश भोपाल 28.1.2026

भेल कॉलेज में राठौर को किया सम्मानित

भोपाल। गणतंत्र दिवस पर भेल कॉलेज ने एसबीआई के सेवावृित प्रबंधक गोपाल राठौर को सम्मानित किया। गोपाल राठौर ने कालेज में छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण के साथ ही लगभग 500 से अधिक पुस्तकें दान की। कॉलेज के जनभागीदारी अध्यक्ष बारेलाल अहिरवार एवं प्राचार्य डॉ संजय जैन ने अस्वस्थता के कारण राठौर के निवास पर जाकर शाल, श्रीफल एवं सम्मान पत्र दिया।

बाबूलाल गौर महाविद्यालय में गणतंत्र दिवस पर राठौर को किया सम्मानित

दैनिक राजधानी एक्सप्रेस भोपाल

गणतंत्र दिवस पर गोपाल राठौर सेवानिवृत सहायक महाप्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक को सम्मानित किया

हमारा लोकतंत्र- अनुशासन सेवा और संवैधानिक चेतना का जीवंत उत्सव

स्टूडेंट कॉर्नर

नयी कलम से.....

ऐसी ज्ञान की धूप हो

मेरे हाथ की ये जो कलम है, ये तेरी ही एक निशानी है,
उसकी हर एक बूँद स्याही में, बस तेरी ही मेहरबानी है।

मैंने संभाला है, किताबों को एक गहने की तरह,
बचपन से पहचान न पाया मोल इनका,
अनजान था मैं उस बचपन में ।

मगर आज समझ में आया है, ये कागज सिर्फ पन्ना नहीं,
ये मंदिर है उस ज्ञान का जिससे बड़ा कोई खजाना नहीं ।

मेरी पुरानी वो किताबें, अब बन गयी मेरा ही अंश है,
माँ शारदा की कृपा से ही, लेखक का बढ़ता वंश है।

माँ तुम बैठो मेरी जिह्वा पर, मेरे शब्दों को एक रूप दो,
जो लिखूँ वो दिल को छू जाए, ऐसी ज्ञान की धूप दो ।

तुषार पांडे,
एम. कॉम. प्रथम सेमेस्टर

प्रतिक्रियाएँ ई-मेल द्वारा प्राप्त

मुझे महाविद्यालय के न्यूज लेटर तरंग का जनवरी अंक बहुत अच्छा लगा। इस अंक की सभी सामग्री प्रभावी है।

तुषार पांडे,
एम. कॉम. प्रथम सेमेस्टर

मैं न्यूज लेटर 'तरंग' के हर अंक का बेसब्री से इंतजार करता हूँ। महाविद्यालय की हर गतिविधि की जानकारी हमें एक ही मंच पर मिल जाती है।

विनोद कुमार उईके
बी.ए. प्रथम वर्ष

तरंग स्टार

महाविद्यालय के एन.सी.सी. कैडेट ईशू गोस्वामी ने SNIC- I NER (स्पेशल नेशनल इनटिग्रेशन कैंप- I नॉर्थ ईस्ट रीजन, आईएसबीटी टूरा, मेघालय) में सहभागिता कर मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। महाविद्यालय परिवार द्वारा एन.सी.सी. कैडेट ईशू गोस्वामी को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गई ।

महाविद्यालय के एन.सी.सी. कैडेट आकाश सत्यम ने SNIC- I NER (स्पेशल नेशनल इनटिग्रेशन कैंप- I नॉर्थ ईस्ट रीजन, आईएसबीटी टूरा, मेघालय) में सहभागिता कर मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। महाविद्यालय परिवार द्वारा एन.सी.सी. कैडेट आकाश सत्यम को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गई ।

ये दोनों छात्र इस अंक के 'तरंग' स्टार हैं।

विशेष स्टूडेंट कॉर्नर

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल, भोपाल से प्रदाय छात्रवृत्ति एवं योजनाओं की जानकारी

पोस्टमैट्रिक छात्रवृत्ति

(पूर्ण शुल्क की प्रतिपूर्ति एवं ₹ 300 प्रतिमाह निर्वाह भत्ता)

- आवेदक मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना चाहिये ।
- आवेदक का सरकारी संस्थान में अनिवार्य शुल्क का भुगतान करने के लिए नामांकन होना चाहिए।
- आवेदक अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, या अल्पसंख्यक समुदाय का होना चाहिये एवं आवेदक के पास स्थायी जाति प्रमाण पत्र होना चाहिये ।
- आवेदक पिछली कक्षा में उत्तीर्ण होना रहना चाहिये तथा छात्रवृत्ति के लिए पात्र छात्र को अंतिम उत्तीर्ण परीक्षा में न्यूनतम 50% अंक प्राप्त होने चाहिए (अल्पसंख्यक वर्ग के लिए लागू)।
- पिछड़ा वर्ग के आवेदक के माता-पिता की वार्षिक आय ₹3,00,000 रूपये से अधिक नहीं होना चाहिए एवं अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के आवेदक के माता-पिता की वार्षिक आय ₹ 6,00,000 रूपये से अधिक नहीं होनी चाहिए।
- आवेदक को एक मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थान में पोस्ट-मैट्रिक या पोस्ट-सेकेंडरी पाठ्यक्रम (स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा आदि) में अध्ययनरत होना चाहिए।

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विद्यार्थियों हेतु आवास सहायता

(₹ 2000 प्रतिमाह)

- अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिए आवास सहायता योजनाओं में मुख्य रूप से आवास भत्ता सहायता योजना और अनुसूचित जाति / जनजाति छात्रावास शामिल हैं।
- केवल वे ही विद्यार्थी इस योजना की पात्रता रखते है, जिन्होनें पोस्टमैट्रिक छात्रवृत्ति योजना का लाभ लिया हो ।
- ये योजनाएं उन विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान करती हैं ,जिन्हें अपने मूल स्थान से दूर रहकर उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए किराए पर आवास लेना पड़ता है।
- आवेदक को आवेदन करने के लिए मध्यप्रदेश जनजातीय मामले और अनुसूचित जाति कल्याण स्वचालन प्रणाली (MPTAAS) पोर्टल पर जाकर पंजीकरण करना होता है और आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने होते हैं।

सेंट्रल सेक्टर छात्रवृत्ति

(₹ 5000 वार्षिक)

- आवेदक 12 वीं कक्षा में में संबंधित स्ट्रीम (विज्ञान, वाणिज्य, या कला) में न्यूनतम 80% अंकों से उत्तीर्ण होना चाहिये ।
- आवेदक के परिवार की वार्षिक आय ₹4.5 लाख से कम होना चाहिये ।
- आवेदक छात्र को किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से नियमित स्नातक या स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में नामांकित होना चाहिये ।
- आवेदक का बैंक खाता आधार कार्ड से लिंक होना अनिवार्य है।
- आवेदक को आवेदन के साथ जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, मार्कशीट, बैंक पासबुक और आधार कार्ड जैसे सभी दस्तावेज जमा करना अनिवार्य है ।

गाँव की बेटी योजना

(₹ 5000 वार्षिक)

- आवेदिका मध्यप्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र की निवासी होनी चाहिये ।
- आवेदिका किसी सरकारी या गैर-सरकारी कॉलेज या विश्वविद्यालय में स्नातक में अध्ययनरत होना चाहिये ।
- आवेदिका 12वीं कक्षा गाँव के ही स्कूल से उत्तीर्ण की होना चाहिये एवं 12 वीं कक्षा में न्यूनतम 60% अंक प्राप्त होने चाहिए।
- गाँव की बेटी योजना का लाभ सभी वर्गों की छात्राओं को मिलता है।

प्रतिभा किरण योजना

(₹ 5000 वार्षिक)

- छात्रा 12 वीं कक्षा की परीक्षा शहर में रहकर शहर के स्कूल से प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होना चाहिए ।
- छात्रा म.प्र. की मूल निवासी होना चाहिए ।
- गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले परिवार का प्रमाण-पत्र (बी.पी.एल कार्ड) होना अनिवार्य है ।
- छात्रा का बैंक में स्वयं के नाम का खाता होना चाहिए । जो कि छात्रा के आधार कार्ड से लिंक एवं आधार कार्ड से सीडिंग हो ।
- म.प्र. उच्च शिक्षा विभाग के आदेश अनुसार प्रतिभा किरण योजना प्रोत्साहन राशि के रूप में मान्य है । छात्राएँ म.प्र. शासन की अन्य छात्रवृत्तियों के साथ प्रतिभा किरण योजना का लाभ ले सकती है ।

मुख्यमंत्री मेधावी योजना

(पूर्ण शुल्क प्रतिपूर्ति)

- आवेदक के पास सक्षम अधिकारी का मध्यप्रदेश के मूल निवासी का प्रमाण-पत्र पात्र होना चाहिए।
- पिता का सक्षम अधिकारी का आय प्रमाण- पत्र (नवीनतम) हो जिसमें वार्षिक आय रूपयें 8,00,000/- रूपये (आठ लाख रूपये) से कम प्रदर्शित हो।
- 12वीं / हायर सेकेण्डरी परीक्षा MP Board से 70% या अधिक अंकों से उत्तीर्ण हो अथवा 12वीं / हायर सेकेण्डरी परीक्षा CBSE Board से 85% या अधिक अंकों से उत्तीर्ण हो ।

मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना

(पूर्ण शुल्क प्रतिपूर्ति)

- आवेदक के माता-पिता का मध्यप्रदेश श्रम विभाग में असंगठित कर्मकार के रूप में पंजीकृत होना चाहिये ।
- आवेदक का आधार नंबर और माता-पिता का असंगठित कर्मकार पंजीयन क्रमांक ऑनलाइन आवेदन में दर्ज करना अनिवार्य है।
- आवेदक को प्राप्तांको, आय एवं जाति का कोई बंधन नहीं है ।
- आवेदक मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना चाहिए ।
- संबल सदस्य ने शासन को किसी अन्य योजना का लाभ नहीं लिया है, की पुष्टि कम्प्यूटर पर होने पर ही योजना का लाभ दिया जाता है ।
- मुख्यमंत्री जनकल्याण योजना (MMJKY) योजना स्नातक एवं स्नातकोत्तर दोनो स्तर पर लागू है ।
- असंगठित कर्मकार का पंजीयन कार्ड Expired नहीं होना चाहिए ।

विशेष स्टूडेंट कॉर्नर

BABULAL GAUR GOVT. P.G. COLLEGE, BHEL, BHOPAL

SMIS

Student MIS Portal

Registration Link- https://babulalgaurgpgcollegebhelbhopal.co.in/

Contact Person- Dr. Arun Sen, Mob. No. 9755365563, Mr. Rahul Vanshkar, Mob. No. 9399988690

सभी नियमित विद्यार्थियों को उपरोक्त में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

सभी छात्र-छात्राओं, अभिभावकों, स्टॉफ, गणमान्य नागरिकों एवं स्थानीय रहवासियों के लिये किसी भी प्रकार की मानसिक, पारिवारिक, कॅरियर संबंधी सामाजिक, समस्या निराकरण हेतु

निःशुल्क परामर्श

प्रति सोमवार, मंगलवार

दोपहर 12 बजे से, कक्ष क्रं. 9

प्रोफेसर रजनीश जैन, मनोचिकित्सक
सेवानिवृत्त, Govt. College Of Educational Psychology and Guidance Jabalpur द्वारा

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल

माह-फरवरी 2026 के कार्यक्रम

वार्षिकोत्सव 'विहान' 2025-26

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

- विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन
- 'वैज्ञानिक आविष्कार एवं नवाचार' विषय पर केन्द्रित व्याख्यान
- भारतीय वैज्ञानिकों के योगदान पर केन्द्रित क्विज (प्रश्नोत्तरी) प्रतियोगिता का आयोजन

संपादक की पाती

माह- फरवरी 2026 का ' तरंग ' अंक आपके हाथों में है। यह अंक आपको कैसा लगा, हमें अवश्य बताएँ । आपकी टिप्पणी / सुझावों की हमें प्रतीक्षा रहेगी । विद्यार्थी अपनी रचनाएँ, सुझाव, प्रतिक्रिया और उपलब्धि 'स्टूडेंट कॉर्नर' के लिये tarangnews2024@gmail.com पर मेल कर सकते हैं।

मोबाइल पर मिलेंगी जानकारियाँ

जुड़िए हमारे NEWS Letter

TARANG SE

तरंग से

सौजन्य ई-न्यूजलेटर समितिः-
डॉ. सुषमा जादौन (संयोजक)
डॉ. दीक्षा बरडे, डॉ. वर्षा चौहान
श्री संजय साहू (कम्प्यूटर वर्क)